No. of Printed Pages : 3

MVS–001

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.वी.एस.–001 : वेद-वेदांग परिचय

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के उत्तर हिन्दी* ***अथवा*** *अंग्रेजी* ***अथवा*** *संस्कृत में से किसी भी भाषा में दे सकते हैं।*

खण्ड–क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×15=60

1. वैदिक शाखाओं के आविर्भाव तथा उनके विकास का विस्तृत वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. ऋग्वेद का स्वरूप बताते हुए ऋग्वेद संहिता के विभाजन क्रम का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. सामवेद का स्वरूप क्या है ? सामवेद संहिता का प्रतिपाद्य बताते हुए इसकी महत्ता का वर्णन कीजिए।

4. संहिता तथा ब्राह्मण ग्रंथों में क्या अन्तर है ? ब्राह्मण ग्रंथों का देशकाल बताते हुए विस्तार से लिखिए।

5. आरण्यक से आप क्या समझते हैं ? ऋग्वेदीय आरण्यकों का वर्णन कीजिए।

6. उपनिषद् साहित्य की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

7. उपनिषदों से क्या शिक्षाएँ मिलती हैं ? विस्तार से लिखिए।

8. शिक्षा ग्रंथों के स्वरूप एवं प्रयोजन का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

खण्ड–ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40

1. उपनिषदों के आधार पर आत्म-विद्या का वर्णन कीजिए।
2. अमोघनन्दिनी तथा माध्यन्दिनी शिक्षा का वर्णन कीजिए।
3. व्याकरण अध्ययन का क्या प्रयोजन है ? संक्षेप में लिखिए।
4. छंद रचना की विधि का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
5. धर्म क्या है ? पठित अंश के आधार पर धर्म के पारिभाषिक स्वरूप का वर्णन कीजिए।
6. यजुर्वेद से सम्बन्धित धर्मसूत्रों का वर्णन कीजिए।
7. पठित अंश के आधार पर ब्रह्म के स्वरूप एवं प्रकारों का वर्णन कीजिए।
8. आरण्यकों की दार्शनिक अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com